

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

BSKC-101

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत

(बी.ए.एस.के.एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

बी.एस.के.सी.-101 : लौकिक संस्कृत पद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड-अ

1. निम्नलिखित की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : $4 \times 10 = 40$

(क) तं सन्तः श्रोतुमर्हन्ति सदसद्व्यक्तिहेतवः।

हेमः संलक्ष्यते ह्यग्नौ विशुद्धिः श्यामिकापि वा ॥

अथवा

भीमकान्तैर्नृपगुणैः स बभूवोपजीविनाम्।

अधृष्यश्चाभिगम्यश्च यादोरत्नैरिवार्णवः ॥

(ख) मनीषिताः सन्ति गृहेषु देवतास्तपः क्व वत्से ?

A-313/ BSKC-101

P. T. O.

क्व च तावकं वपुः ? ।

पदं सेहत भ्रमस्य पेलवं शिरीषपुष्पं न पुनः पतत्रिणः ॥

अथवा

कृताभिषेकां हुतजातवेदसं त्वगुत्तरासङ्गवतीम-

धीतिनीम् ।

दिदृक्षवस्तामृषयोऽभ्युपागमन् न धर्मवृद्धेषु वयः

समीक्ष्यते ॥

(ग) कृतप्रणामस्य महीं महीभुजे, जितां सपत्नेन

निवेदयिष्यतः ।

न विव्यथे तस्य मनो न हि प्रियं प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा

हितैषिणः ॥

अथवा

निरत्ययं साम न दानवर्जितं न भूरिदानं विरहस्य

सत्क्रियाम् ।

प्रवर्तते तस्य विशेषशालिनी गुणानुरोधेन विना न

सत्क्रियाम् ॥

(घ) बोद्धारो मत्सरग्रस्ताः प्रभवः स्मयदूषिताः ।

[3]

अबोधोपहताश्चान्ये जीर्णमङ्गे सुभाषितम् ॥

अथवा

येषां न विद्या न तपो न दानं,

ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः।

ते मर्त्यलोके भुवि भारभूताः,

मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति ॥

खण्ड-ब

2. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

5×10=50

(क) महाकाव्य की उत्पत्ति और विकास पर एक लेख लिखिए।

(ख) 'रघुवंशम्' महाकाव्य के आधार पर राजा दिलीप का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में लिखिए।

(ग) 'कुमारसम्भवम्' महाकाव्य के आधार पर पार्वती की विशेषताएँ लिखिए।

- (घ) 'किरातार्जुनीयम्' महाकाव्य के आधार पर दुर्योधन की राज्य से संबंधित नीतियाँ लिखिए।
- (ङ) 'नीतिशतकम्' के प्रतिपाद्य विषय पर प्रकाश डालिए।
- (च) माघ द्वारा विरचित 'शिशुपालवधम्' महाकाव्य का कथासार लिखिए।

खण्ड-स

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

5×2=10

- (क) महाभारत और उसकी विषय-वस्तु
- (ख) अश्वघोष के महाकाव्य
- (ग) नैषधं विद्वदौषधम्

× × × × ×